an>

Title: Need to take steps to deal with drought situation in the country.

डॉ. मनोज राजोरिया (करौली-धौलपुर): अध्यक्ष महोदया, मैं आपको धन्यवाद देता हूं कि आपने मुझे शून्यकाल में बोलने का अवसर प्रदान किया।

अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान देश में भीषण सूखे की वजह से उत्पन्न स्थितियों की ओर आकर्षित करना चाहता हूं।

आज लगभग 33 करोड़ लोग सूखे की चपेट में हैं। रेजाना आप अखबारों में पढ़ते होंगे, न्यूज में देखते होंगे कि देश में पानी की कमी की वजह से जनता किस तरीके से परेशान हो रही है। यह दुर्भाग्य का विषय है कि ज्यों-ज्यों टेक्नोलॉजी बढ़ती गयी, पानी के सदुपयोग के बजाय उसका दुरूपयोग बढ़ता गया। जगह-जगह पर विभिन्न योजनाओं के माध्यम से ट्यूबवेल खोदे गए और ग्राउण्ड वाटर का अन्धाधुन्ध दोहन हुआ। प्रकृति की मार के रूप में आज हमें उसी का दुष्परिणाम झेलना पड़ रहा है।

महोदया, मैं आपके माध्यम से सरकार एवं सदन से विनती करना चाहूंगा कि पिछली सरकार की कुछ गलतियों की वजह से आज ऐसी परिस्थितियां पैदा हुई हैं कि जनता पीने के पानी के लिए भी त्राहि-त्राहि कर रही है और सिंचाई के लिए भी बहुत कठिन परिस्थितियां पैदा हो गयी हैं। इस विषय में आपसे अनुरोध करूंगा कि सरकार और पूरा सदन मिलकर एक चर्चा करें और देश की नदियों को जोड़ने के लिए एक बृहद् योजना बनाएं। सदन इस पर बृहद् चर्चा करे कि देश की नदियों को किस प्रकार जोड़ा जाए और सूखे की समस्या का स्थायी समाधान कैसे पाया जाए।

महोदया, मैं आपके सामने राजस्थान का एक उदाहरण रखना चाहूंगा। राजस्थान की यशस्वी मुख्यमंत्री श्रीमती वसुन्धरा राजे जी ने प्रत्येक गांव को पानी के मामले में स्वावलम्बी एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान शुरू किया है। उसके माध्यम से प्रत्येक गांव के जो जल स्रोत हैं, उनका पानी वहीं इकट्ठा करके पानी का अधिकतम उपयोग करने की योजना बहुत सफलतापूर्वक चलाई जा रही है।

महोदया, मैं आपसे आग्रह करूंगा कि उस योजना के सफलतापूर्वक संचालन की एक स्टडी करके उसे पूरे देश में लागू किया जाए और नदियों को जोड़ने का काम राजस्थान से शुरू किया जाए, ताकि राजस्थान की सूखाग्रस्त जनता और पूरे राजस्थान को उसका लाभ मिल सके। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष : श्री सुधीर गुप्ता, श्री रोड़मल नागर, कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल, श्री देवजी एम. पटेल, श्री अजय मिश्रा टेनी, श्री भैरों प्रसाद मिश्र, श्री अर्जुन लाल मीणा, श्री सी.आर.चौधरी, श्री सुखबीर सिंह जौनापुरिया एवं श्री चन्द्र प्रकाश जोशी को डॉ. मनोज राजोरिया द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।